Raj Express (Indore), 04th November 2023, Page - 09

जर्मनी में उपलब्ध वित्तपोषण और अनुसंधान अवसरों को समझा

भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में अंतरराष्ट्रीयकरण पर आईएचईडी कार्यशाला

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर की ओर से आयोजित जर्मन एकेडमिक एक्सचेंज सर्विस (डीएएडी) के सहयोग से दो दिवसीय भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में अंतरराष्ट्रीयकरण- संरचनाएं और सेवाएं पर आईएचईडी कार्यशाला का समापन हुआ। दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी और जर्मन कॉन्सुलेट, मुंबई की डिप्टी कॉन्सुल जनरल मार्जा-सिर्खा इनिंग ने किया। कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों और जर्मन यूनिवर्सिटी के बीच सहयोग की बेहतरीन कार्य प्रणालियों और अवसरों पर विचार-विमर्श करना था। यह कार्यशाला शिक्षा संस्थानों के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए जर्मन और भारतीय रणनीतियों व क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक नेटवर्क को कुशल तरीके से बढ़ावा देने में अंतरराष्ट्रीय संबंध कार्यालयों की भूमिका पर केंद्रित थी। साथ में, जर्मनी में उपलब्ध विभिन्न वित्तपोषण और अनुसंधान अवसरों पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में भारत के 25 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों के डीन और अंतरराष्ट्रीय कार्यालयों के प्रमुखों ने भाग लिया। कार्यशाला का आयोजन डीएएडी क्षेत्रीय कार्यालय, नई दिल्ली की निदेशक डॉ. काटजा लैश और डीएएडी कार्यालय, नई दिल्ली की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. शिखा सिन्हा और आईआईटी इंदौर के अंतरराष्ट्रीय संबंध के डीन प्रोफेसर अविनाश सोनावणे द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान, एचटीडब्ल्यू ड्रेसडेन यूनिवर्सिटी से जर्मन विशेषज्ञ जूलियन टेरपे और लीपजिग यूनिवर्सिटी से कैथरीना पिंगेल भी उपस्थित थीं।